भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *290
(उत्तर देने की तारीख 19.03.2026)

सीएसआईआर को वैधानिक दर्जा दिया जाना

290 डा. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार नवाचार-प्रेरित अर्थव्यवस्था में जवाबदेही, सुशासन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) को कानूनी ढांचा प्रदान करने हेतु एक व्यापक विधान अधिनियमित करने का विचार रखती है;

(ख) क्या सरकार द्वारा सीएसआईआर की अलग-अलग प्रयोगशालाओं में अनुसंधान संबंधी प्राथमिकताओं के निर्धारण सहित सीएसआईआर के अनुसंधान परिणामों, वाणिज्यिक प्रभाव और सार्वजनिक निधियों पर प्रतिफल के संबंध में कोई स्वतंत्र मूल्यांकन किया गया है;

(ग) क्या ऐसे विधान में कार्यनिष्पादन और परिणामी संपरीक्षाओं, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से अर्जित राजस्व का प्रकटीकरण करना अधिदेशित किया जाएगा; और

(घ) क्या अनुसंधान एवं विकास में अग्रणी राष्ट्रों के साथ भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता के अंतर को कम करने के लिए कोरिया के विज्ञान और प्रौद्योगिकी अधिनियम सहित सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं का अध्ययन किया जा रहा है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) से (घ) विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

"सीएसआईआर को वैधानिक दर्जा दिया जाना" विषय पर दिनांक 19.03.2026 को राज्य सभा मे पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या 290 के भाग (क) से (घ) के उत्तर मे उल्लिखित विवरण:

(क) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की स्थापना वर्ष 1942 में तत्कालीन केंद्रीय विधान सभा के एक संकल्प द्वारा की गई थी। यह 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत एक स्वायत्त निकाय है। भारत के प्रधानमंत्री सीएसआईआर के पदेन अध्यक्ष हैं और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री पदेन उपाध्यक्ष हैं। सीएसआईआर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विविध क्षेत्रों में अपने अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास संबंधी ज्ञानाधार के लिए जाना जाता है और यह एक समकालीन अनुसंधान एवं विकास संगठन है। सीएसआईआर की 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, 1 नवोन्मेष परिसर और 3 इकाइयों का एक सक्रिय नेटवर्क संपूर्ण भारत में व्याप्त है। सीएसआईआर की अनुसंधान एवं विकास संबंधी विशेषज्ञता और अनुभव लगभग 3800 वैज्ञानिक और तकनीकी कार्मिकों द्वारा समर्थित लगभग 3400 सक्रिय वैज्ञानिकों में समाहित है। वर्तमान में, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के लिए वैधानिक ढांचा प्रदान करने के लिए एक व्यापक विधान बनाने की कोई योजना नहीं है।

(ख) और (ग) सीएसआईआर, प्रयोगशाला स्तर और केंद्रीय स्तर पर नियमित समीक्षाओं के माध्यम से अपने घटकों की निष्पादकता का आकलन कर रहा है। समकालीन और भविष्य की प्रासंगिकता को देखते हुए अनुसंधान एवं विकास क्षेत्रों का विस्तार, बीच में सुधार और कुछ गतिविधियों का समापन इन मूल्यांकनों के महत्वपूर्ण तत्व हैं। वर्ष 2016 में, सारस्वत समिति द्वारा "सीएसआईआर योजनाओं के परिणामों की समीक्षा" की गई थी। सीएसआईआर ने उद्योग और अन्य हितधारकों के साथ मजबूत और सार्थक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए विजयराघवन समिति की सिफारिशों पर भी विचार किया है। इसके अलावा, सीएसआईआर के निष्पादकता मूल्यांकन बोर्ड (पीएबी), सीएसआईआर सलाहकार बोर्ड और भारत के माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सीएसआईआर सोसाइटी द्वारा भी सीएसआईआर की गतिविधियों का मूल्यांकन किया जाता है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से प्रयोगशालाओं द्वारा अर्जित राजस्व पर भी इस तरह के परिणाम की समीक्षाओं/मूल्यांकन प्रक्रियाओं के दौरान विचार किया जाता है।

सीएसआईआर अपनी प्रत्येक घटक प्रयोगशालाओं/संस्थानों के लिए तीन वर्ष की अवधि हेतु अनुसंधान परिषदों का गठन करता है। अनुसंधान परिषद प्रयोगशाला/संस्थान के लिए एक उच्च स्तरीय थिंक टैंक के रूप में कार्य करती है और सीएसआईआर के अधिदेश (मैंडेट), राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और अवसर क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए प्रयोगशाला की गतिविधियों के भावी निर्देशों और अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों के निरूपण के संबंध में सलाह देती है; आपसी हित के कार्यक्रमों जैसे विषयगत गतिविधियों पर अन्य सीएसआईआर राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के साथ नेटवर्किंग का सुझाव देती है; अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों और अनुसंधान कार्यक्रमों की समीक्षा करती है तथा भावी निर्देशों पर सलाह देती है, प्रयोगशाला, उद्योग और संभावित ग्राहकों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने पर सलाह देती है।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, सीएसआईआर ने परिषद और इसके घटकों की बेहतर निष्पादकता को सरल बनाने के लिए मौजूदा प्रावधानों को मजबूत करने के लिए एक उचित दृष्टिकोण अपनाया है। इस दिशा में, दो प्रयोगशालाओं यथा सीएसआईआर-राष्ट्रीय

विज्ञान संचार और सूचना संसाधन संस्थान (सीएसआईआर-निस्केयर) और राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान (सीएसआईआर-निस्टैड्स) को विलय कर वर्ष 2021में एक संस्थान सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-निस्पर) बना दिया गया। सीएसआईआर ने सामाजिक और रणनीतिक महत्व की राष्ट्रीय जरूरतों को पूरा करने के लिए डेटा विज्ञान, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उभरते महत्व पर उचित विचार करते हुए अपनी एक और इकाई नामशः सीएसआईआर-फोर्थ पैराडाइम इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर-4पीआई) को राष्ट्रीय प्रयोगशाला का दर्जा देने के लिए वर्ष 2024 में अपग्रेड किया है।

(घ) भारत के सबसे बड़े अनुसंधान संगठनों में से एक वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष (एसटीआई) को आगे बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाता है। प्रयोगशालाओं के अपने व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाते हुए, सीएसआईआर कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकीय अंतराक्षेप प्रदान कर रहा है और इस प्रकार आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा दे रहा है। उद्योग के लिए प्रौद्योगिकी प्रदाता की भूमिका में होने के नाते, सीएसआईआर ने उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए वांछित मेकेनिज्म को भी प्रचालित किया है जिससे नए आर्थिक क्षेत्रों के विकास को रेखांकित करते हुए कट्टरपंथी और डिस्रप्टिव नवोन्मेषों के संवर्धित निर्माण और वाणिज्यीकरण में अग्रणी हो सकता है। सीएसआईआर ने वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय उन्नयन को मजबूत करने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाते हुए अपनी अनुसंधान और नवाचार क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में भी भाग लिया है।

सीएसआईआर के कुछ वैश्विक भागीदारों में नेशनल रिसर्च काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनएसटी), रिपब्लिक ऑफ कोरिया (आरओके); नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज ऑफ बेलारूस, बेलारूस; सीएनआरएस, फ्रांस; मेडिसिन्स फॉर मलेरिया वेंचर, स्विट्जरलैंड; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायरनमेंटल हेल्थ साइंसेज (एनआईईएचएस), यूएसए; फ्राउनहोफर-गेसेलशाफ्ट (एफएचजी), जर्मनी; आदि शामिल हैं। इन सहयोगों के माध्यम से, सीएसआईआर ने प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण और उद्योग-अकादमिक संबंधों में सर्वोत्तम प्रथाओं को समेकित करते हुए, हाई-टेक अनुसंधान एवं विकास और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में भागीदार देशों की विशेषज्ञता में अंतर्दृष्टि प्राप्त की है। ये जुड़ाव न केवल सीएसआईआर के अनुसंधान उत्पादन को मजबूत करते हैं बल्कि सीएसआईआर को अपनी कार्यप्रणाली को परिष्कृत करने और वैश्विक मानकों के अनुरूप नवाचार को गति देने और विश्व स्तर पर बेंचमार्क समाधानों के साथ राष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान करने की अपनी क्षमता को बढ़ाने में सक्षम बनाते हैं।

******